This question paper contains **4+2** printed pages]

Your Roll No. .....

2275

B.Ed. **D**

Paper V (*u*)

ADOLESCENCE EDUCATION

Time : 3 *Hours* *Maximum Marks* : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेज़ी **या** हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

Attempt any *Five* questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं **पाँच** प्रश्नों को कीजिए ।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. "Puberty is a universal phenomenon, while very limited segments of society recognize adolescence as a phenomenon." Critically analyze this statement with the help of suitable examples.

"तरुणावस्था एक सार्वभौमिक संकल्पना है जबकि समाज के बहुत सीमित हिस्सों में किशोरावस्था को एक संकल्पना के रूप में मान्यता दी जाती है ।" उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से इस वाक्य का आलोचनात्मक विवेचन प्रस्तुत कीजिए ।

2. What are 'Life Skills' ? Critically examine the factors responsible for bringing the life skills into the Centre of the Adolescence Education Programme in India.

'जीवन कौशल' क्या है ? उन कारकों की आलोचनात्मक जाँच कीजिए जिनकी वजह से 'जीवन कौशल' भारत में 'किशोरावस्था शिक्षा कार्यक्रम' के केन्द्र में आ गए ।

3. Critically examine the role of the school and family in the development of the Adolescence Education Programme in India.

भारत में किशोरावस्था शिक्षा कार्यक्रम के विकास में विद्यालय एवं परिवार की भूमिका की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए ।

4. "The increase of gender based violence in India is a result of the transition to a more progressive society." Critically analyze the statement and suggest some strategies for dealing with this issue at the school stage.

''भारत में निरंतर बढ़ती हुई लिंग संबंधी हिंसा प्रगतिशील समाज की ओर परिवर्तन काल का परिणाम है ।'' उपर्युक्त वाक्य की आलोचनात्मक विवेचना करते हुए कुछ व्यूहरचना के सुझाव दीजिए जिनकी सहायता से इन मुद्दों को विद्यालयी स्तर पर ही निबटाया जा सकता है ।

5. As an Adolescence Educator, how can you develop yourself as a reflective practitioner ? Do you think engaging with reflection and reflective practices are essential for an Adolescence Educator ? Elaborate your answer, with relevant examples.

एक किशोरावस्था शिक्षक के रूप में आप स्वयं को एक मननशील अभ्यासकर्त्ता कैसे बना सकते हैं ? क्या किशोरावस्था शिक्षक का मननशील अभ्यास के साथ संलग्न होना अनिवार्य है ? अपने उत्तर का उदाहरण सहित विस्तारण कीजिए ।

6. NCERT and UNFPA have recently come up with the concept of an Integrated Adolescence Education Programme. Present a critical appraisal of the same.

एन.सी.ई.आर.टी. (NCERT) एवं यू.एन.एफ.पी.ए. (UNFPA) ने हाल ही में समेकित किशोरावस्था शिक्षा की संकल्पना प्रस्तुत की है । इसकी आलोचनात्मक विवेचना कीजिए ।

7. Write short notes on any *two* of the following :

(*a*) Sexuality in ancient India

(*b*) Working children and sexual abuse

(*c*) Prevention of substance abuse

(*d*) Factors affecting communication ability in adolescents.

निम्न में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) प्राचीन भारत में सेक्स्यूएलिटी

(ख) काम करने वाले बच्चे एवं यौन शोषण

(ग) नशीले पदार्थों से बचाव

(घ) किशोरों में सम्प्रेषण योग्यता को प्रभावित करने वाले तत्व ।